[Shri Gopal Singh G. Solanki]

amount of Rs. 54.18 crores an amount of Rs. 17.92 crore was rejected.

After that, out an amount of Rs. 1.54 crores mainly of Kalawad taluka in Jamnagar district, an amount of Rs. 1.28 crore was rejected. This is under reference to the Government. The Ministry of Agriculture may please refer to these cases and release the amount in question.

Attack on Journalists by Shri Sena Activists in Aurangabad

डा० बापू कालदाते (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदया, एक अत्यन्त निन्दनीय और निषेचार्य घटना की तरफ मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान खीचना चाहता हूं। सभी लोगों ने पढ़ा होगा कि 19 फरवरी को औरंगाबाद में शिव सेना के प्रमुख श्रीमान् बालठाकरे की प्रक्षोभात्मक भाषा से अखबार वालों पर हमला हुआ। जिस ढंग से उन्होंने वहां भाषण किया वह किसी भी लोकतंत्र पर विश्वास रखने वाले आदमी को न मानना चाहिए और न स्वीकार करना चाहिए। इतना ही नहीं जितने कड़े शब्दों में निन्दा करनी होगी उतनी करने की आवश्यकता है। मैं स्वयं ऐसा मानता हूं कि विचारों की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियाद है। मैं यह भी मानता हूं कि विचारों को नकार देना यह भी लोक तंत्र की बुनियाद है। अगर आप को मेरे विचार पसन्द नहीं हैं, मेरा अधिकार है मैं यह कहूं कि मुझे आपके विचार पसन्द नहीं हैं। लेकिन सिटीजन नाम के पत्र के हमारे एक मित्र हैं, औरंगाबाद में अखबार वाले हैं उन्होंने इतना ही लिखा था कि बाल ठाकरे का ठंडा स्वागत हो गया। बस इससे कोई ज्यादा लिखा नहीं था। इसमें दो बाते हैं। एक तो यह मुसलमान हैं सिटीजन अखबार वाले। उन्होंने इनके बारे में लिखा है, मैं मानता हूं उनको लिखने का अधिकार है—ठंडा स्वागत हो या गर्म स्वागत हो। इस आधार पर उन्होंने इनको खुद बुलाया, निमन्त्रित किया और फिर उनको वहां डांटने लगे। सभी अखबार वालों ने कहा कि हमें लिखने की आजादी है। जो लोग विचारों की आजादी को नकार देते हैं वे फासिस्ट हैं, इस बात को मैं मानता हूं। यह सदन जो लोकतंत्र से बना हुआ है उसकी गरिमा की रक्षा करना हमारा फर्ज है ऐसा भी मैं मानता हूं। इसके लिए मैं यह कहता हूं कि इस ढंग से अगर इस देश में कोई सियासती दल हो या कोई संगठन हो वह अगर इस ढंग के विचारों को कुचलने का प्रयास करेगा तो सारे देश को उसके खिलाफ खडा रखने के लिए हम को परिश्रम करना होगा। मैं इस बात को मानता हूं कि विचारों का वाहक यह वर्तमान पत्र है। उनकी राय कुछ भी हो सकती है। लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ फोर्थ एस्टेट जिसको कहते हैं हमारे दो रक्षकों में से उक्त पत्र एक महत्वपूर्ण संस्था का है। भले ही प्यार करे, नफरत करे, हमारे पक्ष में लिखे, हमारे खिलाफ लिखे लेकिन लिखने की आजादी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को जो संगठन खत्म करने का प्रयास करेगा उसको लोकतांत्रिक व्यवस्था से खत्म करें यह हम लोगों का फर्ज हो जाता है, ऐसा मैं स्वयं मानता हूं। इस घटना की भर्त्सना की मैं मांग करता हूं। मैं मानता हूं सब लोग इसके साथ रहेंगे। आप खुद बुलाते हैं और फिर कहते हैं गैट आउट। आप बुलाते हैं और अखबार वालों को कहते हैं आप बाहर जाकर देखिये क्या होगा। यह प्रक्षोभक नहीं है क्या? आप लोगों को कह रहे हैं जब ये बाहर आयेंगे तो उसकी पिटाई करेंगे। जो हमारे सिटीजन के सम्पादक हैं, उक्त पत्र लोकमत के फोटोग्राफर हैं उनकी इतनी पिटाई हुई कि वे अभी तक पैरालाइज होकर पड़े हुए हैं। इनके कैमरे छीन लिये गये। अखबार वालों की जूतों से, लाठियों से पिटाई हो गई। अगर यह घटनाएं देश में चलती रहेंगी तो मेरे ख्याल से यह सच से बड़ा खतरा हम लोगों पर आ रहा है। मैं अभी इतना ज्यादा नहीं कहूंगा लेकिन इन लोगों ने यह किया है कि शिव सेना की रिपोर्ट पर पाबंदी लगाई है, 15 दिन तक कोई रिपोर्ट महाराष्ट्र के अखबारों में शिव सेना के बारे में नहीं छापेंगे। अखबार वाले अपनी तरफ से मुस्तैदी से खड़े हैं। मैं कहता हूं कि महाराष्ट्र की सरकार क्या कर रही है? क्या वह नहीं जानती है कि इनका क्या रवैया है? कई चीफ मिनिस्टर हो गये, कई लोगों ने उनके ऊपर मुकदमे दायर किये लेकिन आज तक किसी ने बाल ठाकरे को गिरफ्तार करने का प्रयास नहीं किया। मुझे याद है 1968 में जब हम असेम्बली के मैम्बर थे तो एक बार वी०पी० नायक ने उनको पकड़ा था। उनके बाद किसी ने कुछ नहीं किया। मैं यह चाहता हूं, आपके माध्यम से महाराष्ट्र की सरकार से दरख्वास्त करता हूं कि ऐसी कार्यवाही करने वाले लोगों का बन्दोबस्त होना चाहिये। यह इतने घमंड में आ चुके हैं कि मुझे हाथ तो लगाइये, सारा महाराष्ट्र जल जाएगा। यह जो अहंकार है, इसका मतलब यह है कि इनकी सत्ता महाराष्ट्र की सरकार की सत्ता से ज्यादा बन गई है। अगर सरकार यह सत्ता बढ़ाती रहेगी तो क्या होगा? हमारा क्या होगा, इस बात को छोड़ दीजिये। हम तो 1975 में भी लड़े हैं। जिन्होंने हमारी आजादी को कुचलने का प्रयास किया, उनके खिलाफ भी हम लड़े हैं और जेलों में गये हैं। हम आजादी के रक्षक हैं लेकिन मैं कहता जो सरकार चला

रहे है, उनका क्या होगा, इस बात को भी आपको ध्यान में रखना चाहिये। इसलिए प्रेस की आजादी, देश के लोगों और लोकतन्त्र की गरिमा और देश की जनता के ऊपर यह जो फासीवाद का संकट आ रहा है, उसका मुकाबला करने के लिये मैं सरकार से दरख्वास्त करूंगा कि कड़ी से कड़ी कार्यवाही करना आवश्यक, अत्यावश्यक है क्योंकि यह परिस्थिति गम्भीर बनती जा रही है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : Mr. Jagesh Desai.

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, हम लोगों को भी मौका दीजिये।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل: میڈم، ہم لوگوں کو بھی موقع دیجئے]

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : I have called Mr. Jagesh Desai. Let him speak. He is also going to associate....*(Interruptions)*...

SHRI ASHIS SEN (West Bengal) : Madam, first of all let us associate, and then Mr. Desai can speak ....*(Interruptions)*....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : Mr. Sen, you have now started dictating who I should call first ....*(Interruptions)*....

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra) : Madam, I am thankful to Dr. Bapu Kaldate for bringing this issue before the House. Assault on pressmen is assault on democracy. Shiv Sena is a fascist organization, and by hook or by crook they want the people to fear them and they want to create a fear psychosis in the people of Maharashtra. I remember, in 1967 the late Shri V.K. Krishna Menon fought against Shiv Sena.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : Mr. Desai, please. Just associate.

†[]Transliteration in Arabic Script.

SHRI JAGESH DESAI : The Chief Minister of Maharashtra has ordered an inquiry into this whole incident and, after the inquiry report comes, I am sure the Maharashtra Government will take the most stringent action against those who are responsible for it....*(Interruptions)*.... I hope that Bal Thackeray will not be spared and action would be taken against him. If we want to survive as a democracy, all such persons who are assaulting press persons....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : Mr. Desai, Please. Enough.

SHRI JAGESH DESAI : All right, Madam. I support Dr. Bapu Kaldate, and I am sure that the Chief Minister of Maharashtra will take necessary action to see that such things are not repeated in Maharashtra.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मैडम, मैं यह याद दिलाना चाहता हूं कि यह पहला वाकया नहीं है, महाराष्ट्र में इससे पहले भी बाल ठाकरे साहब और उनकी शिव सेना के लोगों ने अखबार वालों पर हमला किया है, प्रेस की आजादी पर हमला किया है। मैं इस हाऊस को बताना चाहता हूं कि मैंने खुद शरद पंवार जी को यह कहा था कि इस आदमी के खिलाफ एक्शन लिया जाए वरना यह कल आपके लिए भी खतरा बन जाएगा। लेकिन उस वक्त कोई तव्वजो नहीं दी गई। मैं समझता हूं कि यह सिर्फ महाराष्ट्र के अखबार वालों को नहीं, सारे हिन्दुस्तान के प्रेस को शिव सेना और बाल ठाकरे साहब की खबर नहीं छापनी चाहिये और इसका टोटल बायकाट 15 दिन के लिए नहीं कम से कम डेढ़ साल के लिए करना चाहिये तब उनको अन्दाज़ा होगा कि प्रेस की ताकत क्या होती है। आज जो हिन्दुस्तान में बाल ठाकरे का प्रोपेगंडा होता है, उसमें प्रेस का भी एक रोल होता है। अगर प्रेस इसका बायकाट ठीक ढ़ंग से करे तो इनको पता लगेगा कि प्रेस की ताकत क्या होती है। मैं डिमांड करता हूं कि बाल ठाकरे के खिलाफ सख्त से सख्त और कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए और जिन लोगों ने हमला किया है इस जर्नलिस्ट के ऊपर और 8-9 जर्नलिस्टों के ऊपर उनको गिरफ्तार कर

[श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल]

के उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए। (व्यवधान)

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میڈم
میں یہ یاد دلانا چاہتا ہوں کہ یہ پہلا واقعہ
نہیں ہے مہاراشٹر میں اس سے پہلے بھی
بال ٹھاکرے صاحب اور شیو سینا کے
لوگوں نے اخبار والوں پر حملہ کیا ہے
پریس کی آزادی پر حملہ کیا ہے میں اس
ہاؤس کو بتانا چاہتا ہوں کہ میں نے
خود شرد پوار جی سے یہ کہا تھا کہ اس
آدمی کے خلاف ایکشن لیا جائے ورنہ
یہ کل آپ کے لئے بھی خطرہ بن جائیگا۔
لیکن اس وقت کوئی توجہ نہیں دی
گئی میں سمجھتا ہوں کہ یہ مہاراشٹر
کے اخبار والوں کو نہیں بلکہ سارے
ہندوستان کے پریس کو شیو سینا اور
بال ٹھاکرے صاحب کی خبر نہیں چھاپنی
چاہیئے اور اسکا مکمل بائیکاٹ ۱۵ دن
کیلئے نہیں کم سے کم ڈیڑھ سال کیلئے
کرنا چاہیئے تب انکو اندازہ ہوگا کہ پریس
کی طاقت کیا ہوتی ہے آج جو ہندوستان
میں بال ٹھاکرے کا پروپیگنڈہ ہوتا ہے
اس میں پریس کا بھی ایک رول ہوتا
ہے اگر پریس اسکا بائیکاٹ ٹھیک ڈھنگ
سے کرے تو انکو پتہ لگے گا کہ پریس کی طاقت
کیا ہوتی ہے۔ میں ڈیمانڈ کرتا ہوں
کہ بال ٹھاکرے کے خلاف سخت سے سخت
اور سختی سے سخت کارروائی کی جائے اور جن
لوگوں نے حملہ کیا ہے اس جرنلسٹ کے
اوپر اور ۹-۸ جرنلسٹوں کے اوپر
انکو گرفتار کرکے انکے خلاف قانونی
کارروائی کی جائے۔۔۔"مداخلت"]

3.00 P.M.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): No, this is not a debate.

श्री विट्ठलभाई मोतीराम पटेल (गुजरात) : मैडम, बापू कालदाते ने जो सवाल उठाया है, उसका मैं पूरा समर्थन करता हूं। महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री ने जो एक कदम उठाया है, उन्होंने जो बाल ठाकरे को सिक्योरिटी दी है और सिक्योरिटी वाले पर जिम्मेदारी थोपी है अगर ऐसा कुछ भी हो सिक्योरिटी वाला उनको बचा ले और ठाकरे के खिलाफ एक्शन ले। वह उनका कदम ठीक है। पुलिस कम्प्लेंट भी हुआ है और पुलिस कम्प्लेंट जो हुआ है, पुलिस कम्प्लेंट के बाद इन्क्वायरी की जरूरत नहीं है और बाल ठाकरे को अरेस्ट कर सकते हैं स्टेटमेंट देकर...(व्यवधान)

SHRI RAM NARESH YADAV: (Uttar Pradesh): Madam,....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTI NATARAJAN): No, no, Mr. Yadav, please. Mr. Salim, one sentence.

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): मैडम मैं अपने को संबद्ध करता हूं बापू जी ने जो मामला उठाया है। सवाल यह इसलिए है कि इससे पहले महानगर के जो संचालक थे उनके ऊपर हमला हुआ, दूसरे पत्रकारों पर हुआ। लेकिन इन्होंने पत्रकार बैठक बुलायी थी और वहां कहते हैं कि ये नहीं बैठेंगे, ये बैठेंगे। आप निकल आओ। यह तो फासीवाद है और सबसे अफसोस की बात यह है कि वहां पर तो शासन है। तो वे इतनी सिक्योरिटी नहीं दे सकते हैं, सुरक्षा की भावना नहीं पैदा कर सकते हैं। आज वे मार रहे हैं चैलेंज के साथ चुनौती के साथ। हम तो यह चाहेंगे कि महाराष्ट्र शासन में जो लोग हैं और वे शक्तिशाली व्यक्ति हैं, पावरफुल हैं, कि वे जरा ऐसा कुछ कदम उठायें कि यह कम से कम आश्वासन मिले देश के लोगों को कि जो जो कुछ चाहे ऐसी स्थिति नहीं है। अगर कोई गैर

†[]Trasnslation in Arabic Script.

कानूनी काम करता है, कानून को अपने हाथ में लेता है और खुलेआम फासीवादी प्रकिरया चलाता है तो उसके ऊपर सख्त से सख्त कार्यवाही होगी।

†[شری محمد سلیم (پشچمی بنگال): میڈم میں اپنے کو سمبدھ کرتا ہوں۔ بابو جی نے جو معاملہ اٹھایا ہے سوال اس لئے ہے کہ اس سے پہلے مہانگر کے جو سنچالک تھے ان کے اوپر حملہ ہوا۔ دوسرے پترکار پر ہوا لیکن انہوں نے پترکار سمیلن بلائی تھی اور وہاں کہتے ہیں کہ یہ نہیں بیٹھیں گے یہ بیٹھیں گے۔ آپ نکل جاؤ یہ تو فاسیواد ہے اور سب سے افسوس کی بات یہ ہے کہ وہاں پر جو شاسن ہے تو وہ اتنی سیکیورٹی نہیں دے سکتے ہیں سرکشا کی بھاونا نہیں پیدا کر سکتے ہیں۔ آج وہ مار رہے ہیں چیلنج کے ساتھ جنونی کے ساتھ۔ ہم تو یہ چاہیں گے کہ مہاراشٹر شاسن میں جو لوگ ہیں اور وہ شکتی شالی و یکتی ہیں پاور فل لوگ ہیں کہ وہ ذرا ایسا کچھ قدم اٹھائیں کہ یہ کم سے کم کو آشواسن ملے دیش کے جو جو کچھ چاہیے ایسی استھتی نہیں ہے۔ اگر کوئی غیر قانونی کام کرتا ہے قانون کو اپنے ہاتھ میں لیتا ہے اور کھلے عام فاسیوادی پرکریا چلاتا ہے تو اس کے اوپر سخت سے سخت کارروائی ہوگی]

---

†Trasnslation in Arabic Script.

कुमारी सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र): महोदया, हमारे साथी बापू कालदाते जी ने जो अपने विचारों को यहां सदन के सामने रखा मैं उसके साथ अपने को संबद्ध करना चाहूंगी। मैं इस सदन में आपकी मारफत कहना चाहूंगी कि हिंदुस्तान के किसी भी कोने में चाहे पत्रकार छोटा हो या बड़ा हो, उस पर किसी भी तरह का हमला करना अशोभनीय और निन्दनीय है।

मुझे लगातार पांच-छः दिन से औरंगाबाद से हमारे कार्यकर्ताओं के टेलीफोन काल्स आ रहे हैं। उन्होंने भी मुझसे इसका वर्णन किया। मैं आपसे कहना चाहती हूं कि महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री शरद पवार ने इस पर कदम उठाने का एक ठोस प्रयास किया है और उस इन्कवायरी के बाद जो भी नतीजें आयेंगे वे आपके सामने रखे जायेंगे। इन शब्दों के साथ आपको धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN). Maulana Azmi, just one sentence, please.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी (उत्तर प्रदेश): मैडम, बापू साहब कालदाते ने स्पेशल मेंशन के जरिये जो अहम बात उठायी है मैं इसकी हिमायत करता हूं और मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रेस पर प्रेस की आजादी पर यह हमला सिर्फ बम्बई और औरंगाबाद में ही नहीं हुआ है, अयोध्या में भी इसी तरह से फिरकापरस्त ताकतों ने प्रेस के ऊपर हमला किया है। अयोध्या की सरजमीन पर प्रेस की एक मोहतरम लेडी को बेइज्जत किया गया। तो हमारे मुल्क की तहजीब और तमदम और शराफत पर ये फासिस्ट और फिरकापरस्त ताकतें जो हमला कर रही हैं इस फिरकापरस्ती के खिलाफ और जिन जिन सूबों में इस तरह के हमले प्रेस पर और मुल्क की जम्हूरियत पर हो रहे हैं मैं मांग करता हूं इस स्पेशल मेंशन के जरिये उन हुकूमतों से कि वे हुकूमतें, पैरेलल हुकूमतें न बनने दें। यह न साबित होने दें कि शिव सेना की भी हुकूमत है और कांग्रेस की भी हुकूमत है। शिव सेना की भी हुकूमत है और दूसरी पार्टी की भी हुकूमत है। हुकूमत हुकूमत का फर्ज अदा करे और उनको कड़ी से कड़ी सजा दे कर मुल्क में जम्हूरियत और प्रेस की बहाली को जिंदा रखे।

[मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी]

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی (اترپردیش):
میڈم باپو صاحب کالدتے نے اسپیشل
مینشن کے ذریعہ جو اہم بات اٹھائی ہے
میں اسکی حمایت کرتا ہوں اور میں کہنا
چاہتا ہوں کہ پریس پر پریس کی
آزادی پر حملہ صرف بمبئی اور اورنگ آباد
میں ہی نہیں ہوا ہے ایودھیا میں بھی
اسی طرح سے فرقہ پرست طاقتوں
نے حملہ کیا ہے پریس پر - ایودھیا
کی سرزمین پر پریس کی ایک محترم
لیڈی کو بے عزت کیا گیا تو ہمارے ملک
کی تہذیب و تمدن اور شرافت پر
یہ فاسسٹ اور فرقہ پرست طاقتیں
جو حملہ کر رہی ہیں اس فرقہ پرستی کے
خلاف اور جن صوبوں میں اس طرح
کے حملے پریس پر اور ملک کی جمہوریت
پر ہو رہے ہیں میں مانگ کرتا ہوں اس
اسپیشل مینشن کے ذریعہ ان حکومتوں
سے کہ وہ حکومتیں بیر بال حکومتیں
نہ بننے دیں - یہ نہ ثابت ہونے دیں
کہ شیو سینا کی بھی حکومت ہے اور
کانگریس کی بھی حکومت ہے شیو سینا
کی بھی حکومت ہے اور دوسری پارٹی
کی بھی حکومت ہے - حکومت حکومت
کا فرض ادا کرے اور انکو کڑی سے کڑی سزا
دے کہ ملک میں جمہوریت اور پریس
کی بحالی کو زندہ رکھے -]

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Mr. Ganesan, just one sentence.......*(Interruptions)*

No, we are not having a debate, please, I implore the Members. It is enough. So many members have spoken.

SHRI MISA R. GANESAN (Tamil Nadu): Madam, I associate myself with what Dr. Bapu Kaldate has mentioned here.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश): महोदया, माननीय सदस्य ने जिस प्रश्न को उठाया है उसमें जितनी कड़े शब्दों में निन्दा की जाये वह कम है। यह हमारे लोकतंत्र पर जबर्दस्त प्रहार है और मेरी मांग है—वैसे तो महाराष्ट्र सरकार कदम उठाने जा रही है—लेकिन मेरी मांग है कि बाल ठाकरे को गिरफ्तार करके जेल के सींखचों के अंदर रखा जाये। यदि जनतंत्र पर इस तरह से हमले होते रहेंगे तो हमारा देश चल नहीं सकता है। संवैधानिक जो मान्यताएं हैं उनकी रक्षा तो करनी होगी। इसलिए सदन के माध्यम से हमारी मांग है कि उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, there is unanimity in the House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): The last. I am not calling any more. We are not having a debate here. It is enough.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: There is almost unanimity in the House for action against Bal Thackeray.

My point is different. Mr. Bal Thackeray has been acting in that way for a pretty long time to create a fear-psychosis in a particular part of the country and to take political advantage of it. This is the political lesson. You are yourself a lawyer Madam. The criminal law, the Cr. P.C. has been isolated. A

man has been beaten up. The provocation was the speech of Mr. Bal Thackeray. It means no investigation.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): I think enough has been said. Mr. Bal Thackeray should be arrested and sent to jail. There is no reason why there should be one law for Mr. Bal Thackeray and another set of laws for the other people for violation of laws.

प्रो० आई० जी० सनदी (कर्णाटक): मैडम, मैं बाल ठाकरे की ऐसी प्रवृत्ति का खंडन करता हूं और डा० बापू कालदाते के विचारों से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। धन्यवाद।

STATEMENT BY MINISTER

Circumstances which Necessitated Immediate Legislation by the Banking Regulation (Amendment) Ordinance, 1994

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): Madam Chairperson I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) explaining the circumstances which had necessitated immediate legislation by the Banking Regulation (Amendment) Ordinance, 1994.

THE BANKING REGULATION (AMENDMENT) BILL, 1994

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): Madam Vice-Chairperson, I move for leave to introduce a Bill further to amend the Banking Regulation Act, 1949.

The question was proposed.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, I had given my name.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): You can raise it.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am objecting to the Bill even at the introductory stage...*(Interruptions)*...I gave notice...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): I am permitting him. I know that he gave his name.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am objecting to the introduction of the Bill for a number of reasons. Number one, this Bill seeks to appoint a person as chairman of a bank who would not be a full-time chairman but a part-time chairman. It seeks to appoint a chairman on a part-time basis.

A large number of banks are being mismanaged. It is known to everybody. Eighteen banks out of twenty-eight nationalised banks are in the red. If this is the health of the national banking system, how can a person who is not a full-time chairman but a part-time chairman discharge his responsibility as the chairman of a bank? This is my second objection.

Number three, this Bill seeks to increase the minimum ceiling on the voting right of the shareholders from existing 1 per cent to 10 per cent. At the end this Bill seeks for appointment of directors who can be even three. The shareholders will be having three directors on the board. What does it mean? This Bill should be considered in the background of the Government's policy whose sincerity is well known to us.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Are you discussing the merits of the Bill?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I can discuss them.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): At the introduction stage, how can you object?